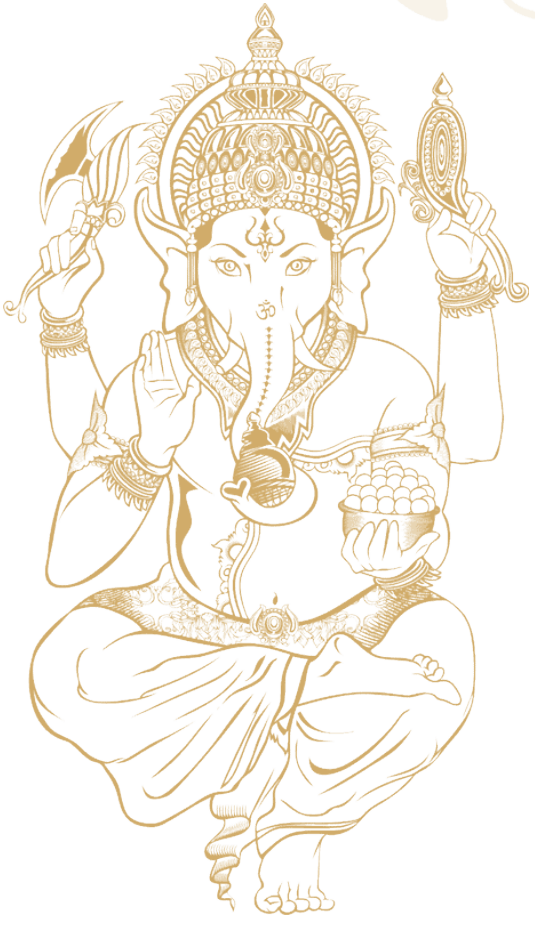

Anshul Bhatri

31 Jul 2002

01:59 AM

Palampur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121908402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30-31/07/2002**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**01:59:00 घंटे**
इष्ट	50:53:22 घटी
स्थान	**Palampur**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	32:04:00 उत्तर
रेखांश	76:29:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:34:56 घंटे
वेलान्तर	-00:06:26 घंटे
साम्पातिक काल	22:08:09 घंटे
सूर्योदय	05:37:39 घंटे
सूर्यास्त	19:22:49 घंटे
दिनमान	13:45:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	13:36:14 कर्क
लग्न के अंश	24:31:33 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	धृति
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	चा-चाणक्य
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	24:31:33	355:07:17	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	---
सूर्य			कर्क	13:36:14	00:57:23	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मीन	26:18:53	11:51:26	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	कर्क	17:08:30	00:38:21	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	नीच राशि
बुध		अ	कर्क	24:08:26	01:54:51	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
गुरु		अ	कर्क	05:41:48	00:13:19	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	उच्च राशि
शुक्र			सिंह	28:08:29	01:04:22	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि
शनि			मिथु	00:51:15	00:06:26	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	मित्र राशि
राहु	व		वृष	22:32:49	00:02:43	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	22:32:49	00:02:43	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	03:44:59	00:02:12	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
नेप	व		मक	15:45:15	00:01:38	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	21:11:45	00:00:49	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	06:02:58	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:19

लग्न-चलित

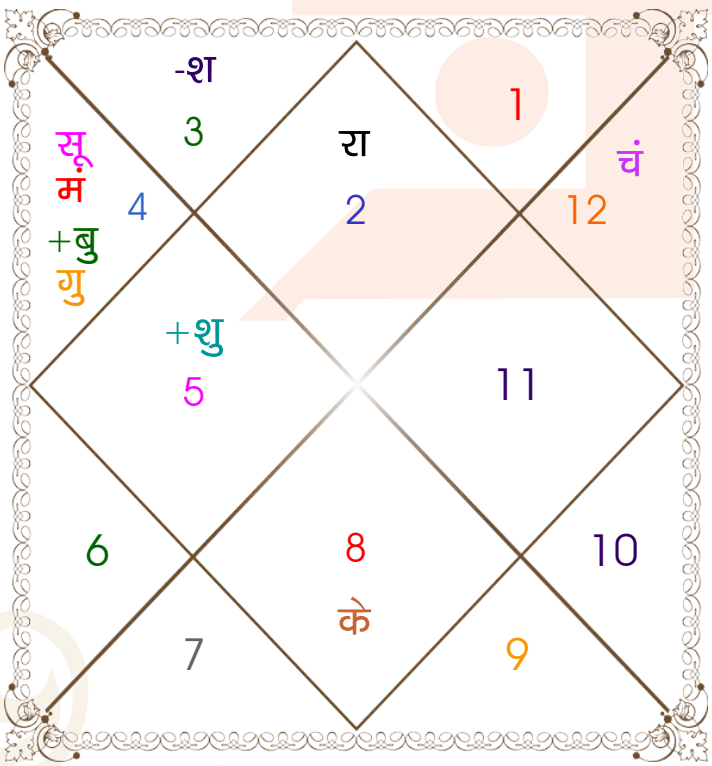

चन्द्र कुंडली

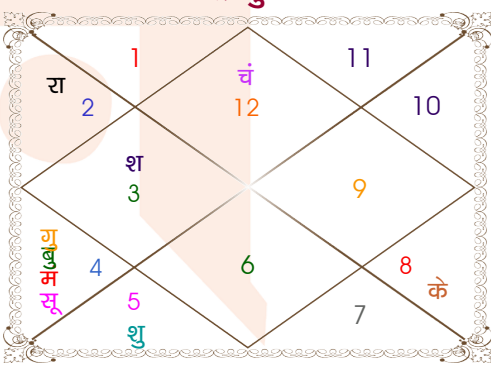

नवमांश कुंडली

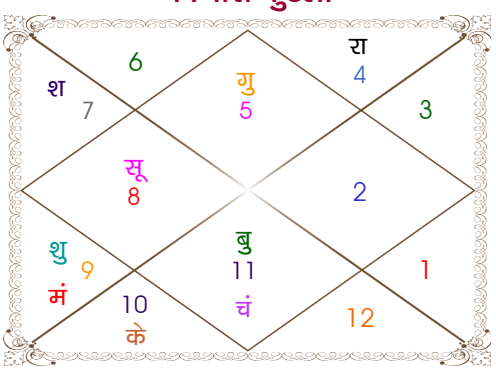

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 4 वर्ष 8 मास 11 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
31/07/2002		12/04/2007		12/04/2014		12/04/2034		11/04/2040	
12/04/2007		12/04/2014		12/04/2034		11/04/2040		12/04/2050	
	00/00/0000	केतु	08/09/2007	शुक्र	11/08/2017	सूर्य	30/07/2034	चंद्र	09/02/2041
	00/00/0000	शुक्र	07/11/2008	सूर्य	11/08/2018	चंद्र	29/01/2035	मंगल	10/09/2041
	00/00/0000	सूर्य	15/03/2009	चंद्र	11/04/2020	मंगल	06/06/2035	राहु	12/03/2043
	00/00/0000	चंद्र	14/10/2009	मंगल	11/06/2021	राहु	29/04/2036	गुरु	11/07/2044
	00/00/0000	मंगल	12/03/2010	राहु	11/06/2024	गुरु	15/02/2037	शनि	10/02/2046
	00/00/0000	राहु	31/03/2011	गुरु	10/02/2027	शनि	28/01/2038	बुध	12/07/2047
	31/07/2002	गुरु	05/03/2012	शनि	12/04/2030	बुध	05/12/2038	केतु	10/02/2048
गुरु	02/08/2004	शनि	14/04/2013	बुध	09/02/2033	केतु	12/04/2039	शुक्र	11/10/2049
शनि	12/04/2007	बुध	12/04/2014	केतु	12/04/2034	शुक्र	11/04/2040	सूर्य	12/04/2050

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
12/04/2050		11/04/2057		12/04/2075		12/04/2091		13/04/2110	
11/04/2057		12/04/2075		12/04/2091		13/04/2110		00/00/0000	
मंगल	08/09/2050	राहु	23/12/2059	गुरु	30/05/2077	शनि	15/04/2094	बुध	08/09/2112
राहु	26/09/2051	गुरु	18/05/2062	शनि	11/12/2079	बुध	23/12/2096	केतु	05/09/2113
गुरु	01/09/2052	शनि	24/03/2065	बुध	18/03/2082	केतु	01/02/2098	शुक्र	06/07/2116
शनि	11/10/2053	बुध	11/10/2067	केतु	22/02/2083	शुक्र	03/04/2101	सूर्य	13/05/2117
बुध	08/10/2054	केतु	29/10/2068	शुक्र	23/10/2085	सूर्य	16/03/2102	चंद्र	12/10/2118
केतु	06/03/2055	शुक्र	30/10/2071	सूर्य	11/08/2086	चंद्र	15/10/2103	मंगल	09/10/2119
शुक्र	05/05/2056	सूर्य	22/09/2072	चंद्र	11/12/2087	मंगल	23/11/2104	राहु	28/04/2122
सूर्य	10/09/2056	चंद्र	24/03/2074	मंगल	16/11/2088	राहु	30/09/2107	गुरु	01/08/2122
चंद्र	11/04/2057	मंगल	12/04/2075	राहु	12/04/2091	गुरु	13/04/2110		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 4 वर्ष 8 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ सिंह नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण का प्रभाव भी आपके जन्मकाल पर पड़ रहा था। मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्मप्रभाव से ऐसा विदित हो रहा है कि आपके प्रारंभिक जीवन के 28 वें वर्ष से अच्छा समय प्रारंभ हो जाएगा।

वृष लग्न पृथ्वी तत्व का सूचक है। इस लक्षण से आप उत्साह पूर्वक सुख आनंद तथा भोग विलास संबंधी वस्तुओं की प्राप्ति अपने प्रभुत्व रीति से जो कुछ भी हो संभाव्य है। उसके कार्य अथवा कर्तव्य, सेवा कार्यादि यथार्थ रूप से प्राप्त करने की कोई संभावना नही है। आप उपयुक्त समय पर अपने मस्तिष्क को कार्य रूप बनाकर कार्यरंभ एवं कार्य संपादन की प्रतीक्षा करेंगे। कार्यात्मक करने का प्रयास आकस्मिक रूप से अच्छी प्रकार करेंगे। ताकि आप लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य संपादित कर सकेंगे।

आप अपनी योजना के बारे में सैद्धांतिक रूप से पूर्ण एकाग्रचित होकर, कार्यारंभ करेंगे। आप सामान्यतः बहुत शांत चित्त प्रवृति के प्राणी हैं। परंतु यदि कोई भी व्यक्ति आपके रास्ते में आकर आपके उद्देश्य का उलंघन करना अथवा आपको पराजित करना चाहे तो आप निश्चित रूप से बिना हिचकिचाहट के ज्वालामुखी की तरह विस्तृत रूपेण बलपूर्वक अपने शत्रुओं को परास्त कर देंगे। उदाहरण स्वरूप कोई अन्य आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाए अथवा इस प्रकार का कोई संदेहात्मक अनैतिक एवं व्यवधानकारी विचार नही करेगा। आप भविष्य की बिना प्रतीक्षा किए पुनः उसे प्रवृत्ति को त्याग देना चाहते है ताकि आपकी छवि धूमिल न हो सके।

आपके लिए आपकी छवि महत्वपूर्ण है। क्योंकि आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप मध्यम कद के सशक्त मांसल युक्त गठीला एवं ठोस शरीरिक से सशक्त है। आपके विस्तृत कंधे एवं पूर्ण विकसित छाती आपकी प्रतिभा को चमत्कृत करता है।

आप जब आवेश में आकर सांसारिक वासनामय आरामदायक सुखों की तलाश में कामोत्तेजक एवं व्यभिचारिक बहाव में आ जाते है। तो इसकी पूर्ति हेतु अपने गुप्तांगो की क्षति का जोखिम भी उठाकर असीमित सुख भोग में लिप्त हो जाते हैं। आपको इस प्रकार की प्रवृति का त्याग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त आप किसी प्रकार की स्थिति को सुखद बनाने के लिए कृतसंकल्प रहते हैं। आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन बिताना चाहते हैं। आपकी पत्नी अच्छी है जो निरंतर आपके अनुकूल आपकी सहायता के लिए स्वेच्छा पूर्वक प्रस्तुत रहती है। आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार चलाने की भूमिका पूर्ण रूपेण संघर्षरत रह कर निभाने के लिए प्रयास करते रहोगे।

आप में दो प्रकार की उत्कंठा विद्यमान है। सर्व प्रथम आप सदैव ही धनोपार्जन करना चाहते हैं तथा दूसरा आपको अपने शारीरिक कष्ट से छुटकारा पाने की उत्कंठा बनी रहती

है। यद्यपि सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथापि आपकी बांह पर कोई साधारण कटने अथवा टूटने के अतिरिक्त आपके कंधों में दर्द हो सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। क्योंकि आप में स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति क्षीण हो गई है। जिस वजह से आप शीघ्रता पूर्वक पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। हर दृष्टिकोण से यह संभव है कि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगे।

ध्यान दें आपके लिए अनुकूल अंक 2 एवं 8 अंक है जिसे आप उत्तम समझकर व्यवहार में ला सकते हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।